नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ऊर्जा सुरक्षा अब वैश्विक चिंता का विषय

फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बातचीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की दुनिया में होर्मुज जलडमरूमध्य केवल पश्चिम एशिया का मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का आधार बन चुका है. प्रधानमंत्री मोदी द्वारा होर्मुज के खुले रहने को 'विश्व की आवश्यकता' बताना और ट्रंप का भारत की सुरक्षा के प्रति समर्थन जताना बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों का महत्वपूर्ण संकेत है.

होर्मुज जल डमरू मध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है. दुनिया के लगभग एक-तिहाई समुद्री तेल व्यापार और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है. यदि किसी कारण से यह मार्ग बाधित होता है तो इसका प्रभाव केवल खाड़ी देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एशिया, यूरोप और अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ेगा. भारत, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है, उसके लिए होर्मुज की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है. पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम एशिया लगातार अस्थिरता का केंद्र बना रहा है. ईरान और इजरायल के बीच तनाव, यमन में हूती विद्रोहियों की गतिविधियां तथा समुद्री जहाजों पर हमलों ने वैश्विक व्यापार के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा की हैं. ऐसे समय में भारत का यह स्पष्ट रुख कि समुद्री मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें, केवल राष्ट्रीय हित का नहीं बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी का परिचायक है.

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों से जुड़ा है. ट्रंप का यह कथन कि भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका उसके साथ खड़ा मिलेगा, भले ही राजनीतिक संदर्भों में देखा जाए, लेकिन यह भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और सामरिक महत्व को रेखांकित करता है. पिछले एक दशक में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, प्रौद्योगिकी, खुफिया सहयोग और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारी लगातार मजबूत हुई है. आज दोनों देश केवल साझेदार नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले प्रमुख खिलाड़ी बन चुके हैं.

हालांकि भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी रणनीतिक स्वायत्तता रही है. भारत ने हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए विभिन्न वैश्विक शक्तियों के साथ संतुलित संबंध बनाए हैं. यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ खाड़ी देशों, रूस और यूरोपीय देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूती देता रहा है. वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है. दुनिया ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो संवाद, स्थिरता और आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता दे. प्रधानमंत्री मोदी का होर्मुज के संदर्भ में दिया गया संदेश इसी व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है. यह केवल तेल और व्यापार का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा और आर्थिक विकास से जुड़ा विषय है.

स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में समुद्री मार्गों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और रणनीतिक साझेदारियां विश्व राजनीति के केंद्र में रहेंगी. भारत इस विमर्श में अब दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका निभाने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई दे रहा है. होर्मुज को खुला रखना इसलिए केवल क्षेत्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है.

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

अन्नपूर्णा देवी

देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए- हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी द्य चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है. जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जल' का अपना नल है. खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है- आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है. सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार- घर की महिला का नाम लिखा है. पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है. यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं. यह उस दौर की दास्तान है जिसमें के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है.

> बेशक, महिला सशक्तिकरण की राह में अभी भी चुनौतियाँ हैं, जिन पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है. इसके साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम आगामी परिसीमन की प्रक्रिया की प्रतीक्षा में है .हमारे गणतंत्र के इतिहास में पहली बार भारतीय महिला अब नीति निर्धारण के पटल पर केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उसकी सक्रिय 'सह-निर्माता' है. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में वह अब राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया की सहयात्री है, सहभागी है और सूत्रधार भी.

इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए. एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी. निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी. महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई. चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था. दूरस्थ हैंडपंप रोज़मर्रा की बेबसी का प्रतीक था. भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी द्य

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े—जीवन का अधिकार से. देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है. यूएन-एमएमईआईजी के अनुसार जहाँ वैश्विक स्तर पर मातृ मृत्यु दर में महज़ 48% की कमी आई, वहीं भारत ने 86% की ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की है. संस्थागत प्रसव 38.7% से बढ़कर 90.6% हो चुका है. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है.

देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी द्य10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी. आज 16 करोड़ से अधिक घरों तक नल का पानी पहुँच चुका है—जबकि 2014 में महज 17% परिवारों के पास यह सुविधा थी. प्रधानमंत्री आवास योजना के लगभग 4 करोड़ घरों में से 73% घर महिलाओं के नाम पर हैं. स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार सरकारी रिकॉर्ड्स पर माँ-बहनों का नाम गर्व से दर्ज है.

गरिमा से स्वामित्व आया, और स्वामित्व ने निर्णय लेने का आत्मविश्वास दिया. आर्थिक भागीदारी का यह विस्तार बैंक खाते से शुरू होकर उद्यमिता तक पहुँचा है . लगभग 56 करोड़ जन-धन खातों में 56% खाते महिलाओं के नाम पर हैं.

विश्व बैंक मानता है- भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है. मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68% ऋण महिलाओं को मिले हैं. स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और 'दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है.' निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँ' बन चुकी हैं.

यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है द्य देश में महिला श्रम शक्ति भागीदारीवर्ष 2017-18 के 23.3% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 41.7% हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह भागीदारी 47.6% तक पहुँच चुकी है . सुकन्या समृद्धि योजना के तहत अब तक 4.53 करोड़ खातों में 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा है . उच्च शिक्षा में हमारा जेंडर समानता सूचकांक 1 के पार है और शिक्षा में बेटियों की भागीदारी 43% है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है.

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं.)

महाकौशल की डायरी

विरोध के बीच कैसे सभी को साधेंगी भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष...

अविनाश दीक्षित

माना जाता है कि जब संगठन में नई नियुक्ति या नई जिम्मेदारी किसी को दी जाती है तो उसके पहले उस नाम पर सर्वसम्मति बनती है और फिर उसके नाम की घोषणा होती है जिससे संगठन से जुड़े लोग नवीन नियुक्ति को लेकर संबंधित को बधाईयां दे सकें और एकजुटता के साथ संगठन के हितों में काम करते रहें. मगर जबलपुर में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष की नियुक्ति ने जो संगठन में आपसी प्रतिद्वंदता दिखी, उसने संगठन के अनुशासन पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया. जानकारी के अनुसार जैसे ही भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जबलपुर महानगर की नई नगर अध्यक्ष के रूप में आत्मिका सिंह की नियुक्ति हुई ठीक वैसे ही संगठन के भीतर असंतोष और चर्चाओं का दौर तेज हो गया.

आत्मिका सिंह

महिला मोर्चा की कई वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर सवाल खड़े करते हुए ये तक कहा कि जिनकी नियुक्ति हुई है वो आखिर हैं कौन.. मतलब साफ था कि नवीन अध्यक्ष की जमीनी तौर पर किसी भी प्रकार की कोई सक्रियता नहीं थी जिसको लेकर महिला मोर्चा से जुड़ी कई दावेदारों और कार्यकर्ताओं ने अंदरूनी तौर पर विरोध दर्ज कराया. आत्मिका सिंह की नियुक्ति के बाद संगठन में सालों से कार्य कर रहीं कर्मठ महिलाओं के खेमे में निराशा बिल्कुल स्पष्ट रूप से देखी गई. कानाफूसी पर गौर करें तो सवाल खड़े किये जा रहे हैं कि यह नियुक्ति संगठन में नई ऊर्जा का संचार करेगी या फिर आने वाले कुछ दिनों में इस नियुक्ति के प्रति हल्ला बोल प्रदर्शन शुरू होगा.. ? उधर भाजपा ने अभी इस मामले में चुप्पी साधी हुई है. चर्चाएं ये भी हैं कि महिला प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने अपनी पसंद से जबलपुर जिले की अध्यक्ष की नियुक्ति करवाई है.

जानकारों की माने तो जबलपुर जिले के भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष के लिए कई कर्मठ महिलाओं ने उम्मीद जताई थी कि उन्हें इस पद की जिम्मेदारी संगठन में मिलेगी लेकिन अचानक से चौंकाने वाले नाम ने सभी के होश उड़ा दिए. क्योंकि किसी को उम्मीद नहीं थी कि नया नाम अध्यक्ष पद पर सुसज्जित होगा. ऐसे में जबलपुर भाजपा महिला मोर्चा की नई अध्यक्ष आत्मिका सिंह के लिए अन्य महिलाओं व कार्यकर्ताओं को साधना, एक बड़ी चुनौती होगी.

फिलहाल जो आसार नजर आ रहे हैं उससे तो साफ है कि उनकी नियुक्ति के बाद से संगठन में काफी लोग अंसतुष्ट हैं. जिनका नाम अध्यक्ष पक्ष पर नहीं चयनित हुआ वो तो ये भी कहते हुईं नजर आईं कि मेहनत हमारी, पद किसी और को, ये ठीक नहीं हुआ...

मुख्यालय बुलाने के फरमान ने उड़ाई नींद...

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव की जबलपुर में पुलिस, नगर निगम व कलेक्ट्रेट विभाग के अफसरों की बैठक में जो हुआ उसकी चर्चा भोपाल में होती रही. इस बीच जबलपुर पुलिस के ऐसे कई टीआई अपने आप को बचाने के रास्ते ढूंढते भी नजर आए. खबर है कि जिनके खिलाफ फरमान जारी हुआ उनकी अभी भी नींद उड़ी हुई है. दरअसल अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव की समीक्षा बैठक से जिले के थाना प्रभारी गायब रहे, जिसके बाद अध्यक्ष ने सार्वजनिक फरमान जारी किया और लापरवाह थाना प्रभारियों को आड़े हाथों लेते हुए कह दिया कि जितने भी गायब टीआई हैं वे भोपाल मुख्यालय आकर जवाब पेश करें. इस आदेश के बाद किसी न किसी कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं रहने वाले थाना प्रभारियों के खेमे में हड़कंप मचा और वे इधर उधर अपने बचाव के रास्ते खोजते नजर आए. खबर ये भी है कि पुलिस अफसरों को बचाने के लिए जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बचाव के लिये ये रास्ता बताया है कि टीआई मेडिकल सर्टिफिकेट लेकर भोपाल जाएं और अपना जवाब पेश करें. इस पेशकश के बाद ये देखना होगा कि क्या ये बचाव का तरीका उन्हें आसानी से बचा पाएगा या फिर एक्शन की जद में अनुपस्थित सारे टीआई आ जाएंगे. क्योंकि जिस हिसाब से अध्यक्ष ने सख्ती दिखाई है उससे तो लग रहा है कि बैठक से अनुपस्थित रहने वाले थाना प्रभारियों पर गाज गिरना तय है. उधर अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव के सख्त रूख की चर्चाएं शहर में तेज हैं. जानकारों का तो कहना है कि पदाधिकारी हो तो ऐसा ही हो नहीं तो न हो. विदित हो कि अध्यक्ष ने बैठक में मौजूद सभी पुलिस अफसरों को निर्देश दिए थे कि जिन क्षेत्रों में अपराध और नशे की प्रवृत्ति हावी है वहां पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए. इसके अलावा भी उन्होंने पुलिस को कई अहम निर्देश दिए थे.

अकाल तख्त के निशाने पर भगवंत मान

आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि मान को फंसाया जा रहा है. इसके पीछे अकाली दल नेता सुखबीर सिंह बादल का हाथ है जिन्होंने अकाल तख्त को मान पर कार्रवाई के लिए प्रेरित किया.

पंजाब के मुख्यमंत्री को गुरु धोकी (विश्वासघाती) और खालसा पंथ विरोधी घोषित करने के बाद अकाल तख्त के जत्थेदारों ने सभी दलों के साथ विधायकों व मंत्रिमंडल को 29 जून को अकाल तख्त के सामने हाजिर रहने का फरमान जारी किया है. मान द्वारा गुरुद्वारा की दानपेटी पर की गई टिप्पणी तथा एक वीडियो की वजह से अकाल तख्त ने उन्हें सजा सुनाई है. मान का यह दावा ठुकरा दिया गया कि यह वीडियो एआई से बनाया गया है. पंजाब में राजनेताओं को अकाल तख्त का हुक्म मानना ही पड़ता है. इसके बदले पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह, पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री बूटासिंह, अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल, पूर्व मुख्यमंत्री सुरजीतसिंह बरनाला को पंथ का अनादर करने के आरोप में अकाल तख्त ने सजा सुनाई थी. पंजाब विधानसभा का कार्यकाल अगले वर्ष मार्च तक है, लेकिन वहां इस वर्ष के अंत तक चुनाव कराए जा सकते हैं. आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि इसे देखते हुए मान को फंसाया जा रहा है. इसके पीछे अकाली दल नेता सुखबीर सिंह बादल का हाथ है जिन्होंने अकाल तख्त को मान पर कार्रवाई के लिए प्रेरित किया. पिछले दिनों हुए स्थानीय निकाय चुनाव में भगवंत मान के नेतृत्व में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 'आप' को भारी सफलता मिली. राजनीतिक वातावरण 'आप' के अनुकूल है, इसलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है. बीजेपी पहले ही आम आदमी पार्टी के 6 सांसद फोड़ चुकी है. पंजाब के स्थानीय निकाय चुनाव में बीजेपी 5 वें स्थान पर रही. बीजेपी अकाली दल के सहयोग से पंजाब विधानसभा चुनाव जीतने का लक्ष्य रखती है. पिछले दिनों महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन पंजाब आए थे और उन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार का निषेध करते हुए शहीदों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी. अब देखना होगा कि अकाल तख्त के निर्णय का क्या असर होगा. क्या पंजाब की चुनावी राजनीति इससे प्रभावित होगी ?

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आधुनिक तकनीकी लुटेरे हैं हैकर्स नेटवर्क इस्तेमाल करने में शातिर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हमें हॉकर्स और हैकर्स से बड़ा डर लगता है. वैसे अपनी सोसाइटी के गेट पर बोर्ड लगा है कि हॉकर्स को प्रवेश की अनुमति नहीं, लेकिन फिर भी कोई न कोई चीज बेचने के बहाने हॉकर्स आ धमकते हैं और टाइम बर्बाद करते हैं. इसी तरह दुनिया में हैकर्स भी परेशानी की वजह बन रहे हैं. खबर है कि हैकर्स हर मिनिट में विश्व की अर्थव्यवस्था से 10,00,000 डॉलर से भी अधिक रकम लूट लेते हैं. प्रति मिनिट 2,000 लोग उनके शिकार बनते हैं. हैकर्स कंपनियों के सिस्टम में सेंध लगाकर और जासूसी करने वाला कम्पोनेंट डालकर लोगों की निजी और गोपनीय जानकारी चुरा लेते हैं. जिन लोगों को हम जानते-पहचानते तक नहीं, उनके पास भी हमारी जानकारी जैसे कि जन्मतारीख, बैंक अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर और पता पहुंच जाता है.'

हमने कहा, 'हॉकर हो या हैकर्स, उनका भी अपना हक होता है. मराठी में ऐसे खोजबीन करने वाले व्यक्ति को 'पातालयंत्री' कहा जाता है. आज के युग में दोनों का अस्तित्व स्वीकार कीजिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आप समस्या की गंभीरता को समझ नहीं रहे हैं. हैकर्स आधुनिक तकनीक वाले डाकू हैं. उन्हें चंबल घाटी के डकैतों के समान दुनाली बंदूक लेकर घोड़े पर सवार होने की जरूरत नहीं है. हैकर्स साइबर क्राइम में माहिर होते हैं. सारी दुनिया में हैकर्स का जाल फैला है. ये बड़े इंटेलिजेंट, जीनियस और शातिर किस्म के लुटेरे होते हैं. हैकर्स कंप्यूटर में वायरस वाला सॉफ्टवेयर भेजकर धोखाधड़ी से क्रेडिट और डेबिट कार्ड की जानकारी निकालते हैं और बैंक खाते से मोटी रकम गायब कर देते हैं. ऐसे में गन रखने वाला बैंक का सिक्योरिटी गार्ड भी किसी काम नहीं आता.

हैकर्स साइबर क्राइम के हुनर से बैंक लूट लेते हैं और कोई कुछ कर नहीं पाता. अब तो पुलिस अधिकारियों को साइबर क्राइम की स्टडी करना जरूरी हो गया है. वकील भी साइबर लॉ का अध्ययन करते हैं.' हमने कहा, 'सभी हैकर्स ठग या डाकू नहीं होते. कुछ ईमानदार और सिद्धांतवादी भी होते हैं जिन्हें एथिकल हैकर्स कहा जाता है. वे नैतिकता के साथ अच्छा काम करते हैं. वह साजिशों का पता लगा लेते हैं और संकट निवारण करते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12293 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	■	4	5		6
7			8	■		■	
■		■	9	10		11	
12		■	13		■		■
	■	14	■	15	16		■
17	18		19	■	20		21
22		■	23	24		■	
■	25				■	26	

बाएं से दाएं
1.तुच्छ, छोटा 4. अटकाव, बाधा, समस्या 7. भटकना, मार्ग भ्रष्ट होना 9. एयर पोर्ट, हवाई अड्डा 12. पुत्र, बेटा 13. ऊंचाई 15. बिनौलों सहित रूई 17. चलते-चलते एक बार रुक जाना 20. निषेध, मना करने की क्रिया या भाव 22. तैसा, वैसा 23. व्याकुल, आर्त, दुखित 25. कुचली हुई चीज, कुचलकर बनाया गया अचार 26. पवित्र

ऊपर से नीचे
1. इस क्षण, फिलहाल, आगे से 2. भय, खौफ 3. नासिका, घ्राणेंद्रिय 5. लगाव, लौ, विवाह का मुहूर्त 6. अनुकृति, अनुकरण, प्रतिलिपि 8. मल्लाह, मांझी, केवट 10. नशीला, नशा उत्पन्न करने वाला 11. किसी पदार्थ के अभाव का दुख सहना 12. सुंदर गठन वाला, कसा हुआ 14. वह दर्द जो दिल या सीने में ठहर-ठहर कर या यकायक उठे 16. अधम, पापी, दुष्ट, कमीना 18, दर्प, अभिमानपूर्ण भाव 19. असफल, नाकामयाब 21. हीरा नामक रत्न, हीर छंद 24. गीला, शीतल

Solution 12292

उ	प	नि	य	म	■	का	जी
मे	न	का	■	स्त	री	य	■
श	वा	स	न	■	झ	र	ना
■	ड़ी	■	बो	■	ना	■	मा
सं	■	च	ढ़ा	ई	■	■	कू
क	च	रा	■	मा	ला	मा	ल
ल	■	च	म	न	■	या	■
न	फ	र	त	■	प्र	वी	ण

द्व

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, राजनैतिक लाभ होगा, वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा, आय के अन्य स्त्रोतों में वृद्धि होगी, पूर्व परिचित से भेंट होगी, सफलता मिलेगी, मन प्रसन्न रहेगा, वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है, स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के व्यवसाय में वृद्धि होगी, राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को पूर्व परिचित कार्यो में सफलता के योग हैं, कर्क राशि के व्यक्तियों को मनोनुकूल सफलता प्राप्त होने का संकेत है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिक परिश्रम होगा, यात्रा में कष्ट होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को स्थान परिवर्तन का योग है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों का अनावश्यक विवादों से मन द्रवित रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल, दयालु, सहनशील, न्यायप्रिय, एवं कुछ क्रोधी स्वाभाव का होगा, नौकरी में उच्च पद प्राप्त करेगा, माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा, धार्मिक विचारों का होगा, ईश्वर के प्रति आस्था रहेगी, जन्म स्थान से दूर रहकर उन्नति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

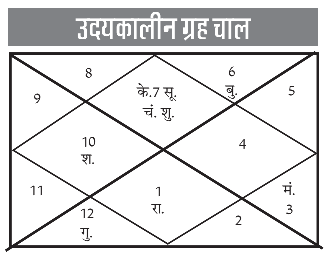

पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पंचमीं भृगुवासरे रात 9/59, आश्लेषा नक्षत्रे दिन 3/23, हर्षण योगे रात 8/24, वव करणे सू.उ. 5/13, सू.अ. 6/47, चन्द्रचार कर्क दिन 3/23 से सिंह, शु.रा. 4, 6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पंचमीं को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, सोना, प्लेटिनम, के भाव में तेजी होगी, गुड़ खांड़, चीनी के भाव में उतार चढाव की चाल रहेगी, व्यापारी बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 2212 है.

मेष- व्यापारिक साझेदारी से लाभ होगा, अनुभवी लोगों की सलाह उपयोगी रहेगी, शारीरिक शिथिलता रहेगी, वाद विवाद से बचने का प्रयास करें.

वृषभ- विपरीत हालात में समझौता करने में भलाई है, पुराने कर्ज की परेशानी रहेगी, पारिवारिक जीवन में संतोष रहेगा, व्यवसायिक शिथिलता रहेगी.

मिथुन- नए संपर्क बनेंगे, विवाद से बचना चाहिये, लेदेकर काम बना लेंगे, महत्वपूर्ण कार्यो में अवरोध होगा, गुप्त शत्रुओं से सावधानी रखें.

कर्क- किसी की मुलाकात मधुर रिश्तों में बदल सकती है, धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बनेगा, संतान संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होगा, भूमि मकान आदि के कार्यो में रूचि रहेगी.

सिंह- सुख सुविधा के सामान पर खर्च होगा,आजीविका की समस्याओं का सरलता से समाधान होगा, कोर्ट कचहरी के कार्य सफल होंगे.

कन्या- धर्म कर्म में आस्था बढेगी, जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें, अधिनस्थों एवं रक्त संबंधियों का सहयोग मिलेगा, कार्य सिद्धि सरलता से प्राप्त होगी.

तुला- विवाद से बचें, रूखेव्यवहार से मित्र नाराज हो सकते हैं, नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होने का योग है, आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा.

वृश्चिक- भय की स्थिति में फैसला नहीं ले पायेंगे, व्यर्थ की बातों में समय व्यतीत होगा, श्रम साध्य कार्य बनेंगे, व्यापार व्यवसाय लाभप्रद रहेगा.

धनु- अटका धन वसूल होगा, संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आय से अधिक धन व्यय होगा, धार्मिक आयोजन होगा. दैनिक कार्यो में परेशानी होगी.

मकर- जीवनसाथी के सहयोग से मुश्किलें टलेंगी, किसी को सहयोग देना पड़ेगा, प्रिय मुलाकात होगी, संतान आदि की समस्या का सरलता से समाधान होगा.

कुम्भ- राजकीय मामले पक्ष में हल होंगे, कानूनी मामले वक्त पर सुलझेंगे, अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, किये गये प्रयास सफल होंगे.

मीन- धार्मिक कार्य पूजा पाठ लेखनादि के कार्यो में संतोष रहेगा, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी.

SUDOKU 7425

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7424

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1